बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतम पुरा दिल्ली -110034

कक्षा दसवीं 2020-21

प्यारे बच्चों ,

आप सभी साखियों को पढ़ चुके हो , निर्देशानुसार अधिन्यास कार्य कीजिए ।

https://www.youtube.com/watch?v=fDPYu0FBZqE

उपर्युक्त दिए हुए लिंक को दोबारा देखिए।

*** आप सभी साखियों के अर्थ पढ़ चुके हैं , नीचे बहुविकल्पी प्रश्न दिए गए हैं , आपको ध्यान से विकल्प को छाँटकर अपनी नोटबुक में लिखना हैं ।**

***कॉपी में साखी नहीं लिखनी , न ही अन्य विकल्प लिखने हैं ।**

*** आप केवल प्रश्न संख्या एवं सही विकल्प ही कॉपी में लिखेँगे ।**

उदाहरण - उत्तर -1 (घ) जो मधुर हो

बहुविकल्पी प्रश्न

पहली साखी

ऐसी वाणी बोलिये, मन का आपा खोइ।
अपना तन सीतल करै, औरन कौं सुख होइ।।

1. कवि ने मनुष्य को कैसी वाणी बोलने की प्रेरणा दी है?

(क) जो हमें प्रसन्नता दे (ख)जो स्वयं को भुला दे (ग) जो खुशियाँ लाए
(घ) जो मधुर हो

2. मीठी वाणी का दूसरों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(क) दूसरों को दुख देती है (ख) दूसरों का अहं समाप्त होता है
(ग) सुख देने वाली होती है (घ) लाभ पहुँचाने वाली होती है

3. मन का आपा खोने का आशय है-
(क) अपनत्व खोना (ख) स्वयं डूब जाना (ग) अहंकार खोना(घ)लीन होना
4 . इस दोहे की भाषा है
(क) सधुक्कड़ी (ख) ब्रज (ग) अवधी (घ) राजस्थानी

BBPS, PITAMPURA

दूसरी साखी

कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग हूँढै बन माँहि।
ऐसें घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहिं।।

बहुविकल्पी प्रश्न

1. मृग वन-वन क्या खोजता फिरता है ?

(क) कस्तूरी (ख) सुगंध (ग) ईश्वर (घ) प्रेम

2. कस्तूरी कहाँ बसती है ?
(क) जंगल में (ख) मनुष्य की नाभि में (ग)मानव के मन में (घ)मृग की नाभि में

3. मृग किसका प्रतीक है?

(क) अज्ञानी जीव का (ख) आध्यात्मिक जीव का (ग) भक्त का

4. 'कुंडली घटि घटि' का अर्थ है

(क) कान के कुंडल कम होना (ख) कुंडली मारना/छोटा होना
(ग) नाभि/घट-घट में (घ) रुद्राक्ष/छोटा-सा

तीसरी साखी

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि ।।

बहुविकल्पी प्रश्न

1. दोहे में 'मैं' शब्द का आशय है---
(क) कबीर (ख) अहंकार (ग) मोह-माया (घ) अज्ञान

2. 'सब अँधियारा मिटि गया' का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है?

(क) घना अँधेरा (ख) विषय-वासना रूपी अंधकार (ग) मोह-माया रूपी अंधकार (घ) अज्ञान रूपी अंधकार

BBPS, RITAMPURA

3. 'दीपक देख्या माहि' का आशय है --

(क) आनंद भीतर देख लिया (ख) परमात्मा मन में ही देख लिया (ग) सुख मन में ही मिल गया।(घ) सांसारिक भोग अपने हाथ में ही है

4. कवि ने किस अंधकार के मिटने की बात की है?

(क) रात के अंधेरे की (ख) अज्ञान के अंधेरे की (ग) दीये के बुझने से पैदा होने वाले अंधेरे की (घ) पुत्र पैदा न होने से उत्पन्न अंधेरे की

चौथी साखी

सुखिया सब संसार है, खायै अरू सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरू रोवै।।

बहुविकल्पी प्रश्न

1. संसार की किस विशेषता का उल्लेख किया गया है?

(क) अधिकतर लोग साधु-संतों के उपदेशों पर ध्यान नही देते (ख) अधिकतर लोग ईश्वर को पाने का प्रयास नहीं करते (ग) अधिकतर लोग किसी की परवाह नहीं करते (घ) अधिकतर लोग भौतिक सुखों में जीवन यापन करके सुख का अनुभव करते हैं

2. कबीर के अनुसार 'जागा हुआ' कौन है?

(क) जो ईश्वर का नाम ले (ख) जो ईश्वर से मिलकर एक हो जाए (ग) जो ईश्वर का वियोग अनुभव करे (घ) जो सांसारिक सुख पाए

3. सारा संसार कबीर की दृष्टि में सुखी क्यों है?

(क) क्योंकि वे सब ज्ञानी है (ख) क्योंकि वे चिंता रहित हैं। (ग) क्योंकि वे अज्ञान के कारण भोग-विलास में लिप्त हैं (घ) क्योंकि वे अंधेरे में डूबे हुए हैं

4 कबीर में और संसार में क्या अंतर है?

(क) जागने और सोने का (ख) दुखी और खुश रहने का
(ग) ज्ञानी और अज्ञानी का (घ)असुविधा और सुविधा का

BBPS, PITAMPURA